निवेश को धरातल पर उतारने में कन्नौज सबसे आगे, लखनऊ-कानपुर समेत 20 जिले पिछड़े

उद्यमी मित्रों की समीक्षा बैठक में रखा गया रिपोर्ट कार्ड, लापरवाही से काम करने वाले उद्यमी मित्र हटेंगे

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। निवेश समझौतों को धरातल पर उतारने के मामले में कन्नौज सहित दस जिले शीर्ष पर हैं, जबकि लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, मथुरा सहित 20 जिलों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। लापरवाही से काम करने वाले उद्यमी मित्रों को हटाया जाएगा।

उद्यमी मित्रों की समीक्षा बैठक में मंच से ही औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार और इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद ने अधिकारियों से खूब सवाल-जवाब किए। जवाब न दे पाने वाले अधिकारियों और उद्यमी मित्रों को एक महीने का अल्टीमेटम दिया गया है। इस अवसर पर उद्यमी मित्र पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समीक्षा बैठक में उद्यमी मित्रों के लिए टारगेट तय किए गए। हर महीने बैठक होगी, जिसमें उद्यमी मित्रों को लक्ष्यों की कसौटी पर कसा जाएगा। जनपद इकाइयों को 25000 प्रस्ताव धरातल पर लाने, निवेश मित्र पोर्टल पर 900 से ज्यादा लंबित प्रस्ताव को खत्म करने, लैंड बैंक की जानकारी जुटाने, निवेशकों के लिए आउटरीच और एमओयू के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों को दूर करने का लक्ष्य दिया गया है।

जिलों के जीएम डीआईसी को दी गई चेतावनी

उद्यमी मित्रों की समीक्षा बैठक में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने उद्यमी मित्र पुस्तक का विमोचन किया। -संवाद

खुद काम करना भी सीखिए

विजय किरण ने हाथरस और कानपुर नगर सहित 20 जिलों की खराब परफॉर्मेंस पर एक महीने का अल्टीमेटम दिया। सबको खुले मंच से ही तलब कर लिया। कानपुर की खराब स्थिति पर पता चला कि उद्यमी मित्र को हटा दिया गया है। लखनऊ के जीएम डीआईसी से पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि आपका काम ही यही है। इसमें लापरवाही नहीं चलेगी। खुद करना सीखिए।

एक भी उद्यमी हमारी लापरवाही से बाहर न जाए : आलोक कुमार

प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि प्रक्रिया का परिणाम भी आना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले साल में 1500 इकाइयों का पंजीकरण हो रहा था। पिछले वित्त वर्ष में करीब 4000 इकाइयां पंजीकृत हुईं। वर्तमान वित्त वर्ष का लक्ष्य 6000 इकाइयों का है। उन्होंने कहा कि उद्यमी तो आ रहे हैं लेकिन 20 हजार लैंड बैंक होने के बाद भी सही सलाह और तत्परता न दिखाने के कारण वह चला जाता है तो हमारे लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

नंदी ने उद्यमी मित्र से पूछा सुबह से शाम तक का शेड्यूल

मंत्री नंदी ने एक उद्यमी मित्र से सुबह से शाम तक का कामकाज का हिसाब और काम के दस्तावेज मांगा। उद्यमी मित्र के गोल-मोल जवाब से असंतुष्ट नंदी ने कहा कि सारे जवाब फर्जी हैं। प्रयागराज में 428 एमओयू में से केवल 52 ही धरातल पर उतरने को लेकर फटकार लगाई।

सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्लेटफार्म बनेगा निवेश मित्र : मुख्य सचिव

भारत का सबसे बड़ा सिंगल-विंडो क्लीयरेंस प्लेटफॉर्म निवेश मित्र प्लेटफार्म जल्द एकीकृत हो जाएगा। वर्तमान में 40 विभागों में 500 से अधिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। निवेश मित्र 3.0 एक ही मंच पर इंटेंट फाइलिंग, क्लीयरेंस अनुमोदन, भूमि उपलब्धता, प्रोत्साहन वितरण और शिकायत निवारण जैसी सुविधाओं को एकीकृत करेगा। मुख्यमंत्री के सचिव सूर्य पाल गंगवार ने जिला-स्तरीय निवेश प्रोत्साहन तंत्र को मजबूत करने पर प्रस्तुति दी। इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रथमेश कुमार ने निर्बाध समन्वय के महत्व पर जोर दिया।